वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश

A+ NAAC

नागालैंड दिवस

स्मारिका

विविधता में एकता | संस्कृति से समृद्ध भारत



नागालैंड की समृद्ध संस्कृति,
हमारी साझी धरोहर

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर (उ.प्र.)

द्वारा

आयोजित

नागालैंड दिवस समारोह-2025

1 दिसंबर 2025

प्रो. वन्दना सिंह
कुलपति

श्री आत्मप्रकाश धर द्विवेदी
वित्त अधिकारी

श्री केशलाल
कुलसचिव

डॉ. विनोद कुमार सिंह
परीक्षा नियंत्रक

आयोजन मंडल

प्रो. प्रदीप कुमार, समारोह संयोजक

डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, समन्वयक, नागालैंड पर वृत्तचित्र निर्माण एवं प्रकाशन

डॉ. शशिकांत यादव, समन्वयक, भाषण प्रतियोगिता

डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, समन्वयक, प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रो. विनोद कुमार सिंह, समन्वयक, सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता

डॉ. अन्नू त्यागी, समन्वयक, रंगोली प्रतियोगिता

श्री पंकज सिंह, समन्वयक, फोटोग्राफी

सम्पादक

डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर

सन्देश...



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नागालैंड स्थापना दिवस समारोह–2025 के सफल आयोजन की स्मृति को संजोते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। नागालैंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं, कला, प्राकृतिक विरासत और सामाजिक जीवन से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित यह समारोह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

इस आयोजन को दिशा और प्रेरणा प्रदान करने के लिए मैं माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। राजभवन के मार्गदर्शन में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस विश्वविद्यालयों में मनाए जाने की परंपरा ने विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत को निकट से जानने और समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। उनके इस दूरदर्शी प्रयास से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से नई ऊर्जा मिल रही है।

नागालैंड स्थापना दिवस के अवसर पर रंगोली, पोस्टर एवं प्रदर्शनी, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा 'नागालैंड – संस्कृति से विकास तक' वृत्तचित्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने नागालैंड की विविध सांस्कृतिक विशेषताओं को रचनात्मक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विशेष रूप से विद्यार्थियों द्वारा रंगों और कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से नागालैंड की संस्कृति को उकेरना इस आयोजन की सुंदर विशेषता रही। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को नागालैंड की विशिष्ट परंपराओं, जनजातीय जीवन और सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर दिया।भारत की शक्ति उसकी सांस्कृतिक विविधता में निहित है। अलग–अलग भाषाएं, वेशभूषाएं, लोक परंपराएं, रीति–रिवाज और सांस्कृतिक पहचान मिलकर भारत की विराट राष्ट्रीय चेतना का निर्माण करती हैं। नागालैंड स्थापना दिवस जैसे आयोजन विद्यार्थियों में इसी विविधता के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और आत्मीयता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह केवल किसी राज्य का स्थापना दिवस मनाना नहीं, बल्कि भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत को जानने और उससे जुड़ने का अवसर है। मेरा विश्वास है कि विश्वविद्यालय परिसर में होने वाले ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यापक बनाने के साथ–साथ उनमें राष्ट्रीय एकात्मता, सांस्कृतिक समरसता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सह–अस्तित्व की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस आयोजन ने विश्वविद्यालय परिवार को नागालैंड की संस्कृति से जोड़ते हुए देश की एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया है।

मैं नागालैंड स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी शिक्षकगण, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं।

प्रो. वन्दना सिंह
माननीय कुलपति

नागालैंड दिवस समारोह

नागालैंड स्थापना दिवस का भव्य आयोजन, सांस्कृतिक विविधता ने मोहा मन



माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के निर्देश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 30 नवम्बर एवं 1 दिसंबर 2025 को ''नागालैंड दिवस समारोह – 2025'' का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं भौगोलिक विरासत से परिचित कराना तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ करना था।

श्री राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र संख्या ई–7693 / 32–जी0 ए0 / 2025, दिनांक 24.10.2025 द्वारा विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस विश्वविद्यालयों में उल्लासपूर्वक आयोजित कराये जाने का निर्देश दिया गया। जिसमें नागालैंड प्रदेश का स्थापना दिवस दिनांक 01.12.2025 को मनाये जाने हेतु वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को निर्देशित किया गया। विश्वविद्यालय में "नागालैंड दिवस समारोह" का आयोजन दिनांक 30 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर, 2025 को किया गया है। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें मुख्यतः नागालैंड की सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक एवं अन्य विविधताओं / विशेषताओं पर छात्र–छात्राओं के मध्य भाषण प्रतियोगिता, नागालैंड की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं भौगोलिक विशेषताओं पर प्रदर्शनी, जिसमें छात्र–छात्राओं द्वारा निर्मित पोस्टर, मॉडल एवं चार्ट सम्मिलित किये गए, नागालैंड से संबंधित सामान्य ज्ञान पर क्विज प्रतियोगिता, फोटो प्रदर्शनी, नागालैंड की विशेषताओं से संबंधित रंगोली तथा नागालैंड की सांस्कृतिक, सामाजिक एवं ऐतिहासिक विरासतों के आधार पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शामिल है।



नागालैंड दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक



श्री राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या ई–7693/32–जी0ए0/2025, दिनांक 24 अक्टूबर 2025 के माध्यम से विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस विश्वविद्यालयों में उल्लासपूर्वक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में नागालैंड प्रदेश का स्थापना दिवस 01 दिसंबर 2025 को मनाए जाने हेतु वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को निर्देशित किया गया है। समारोह की तैयारियों को लेकर 27 नवम्बर को विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलसचिव केशलाल की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों एवं आयोजन टीमों की बैठक हुई।

कुलसचिव केशलाल ने सभी समितियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि नागालैंड दिवस समारोह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता, विविधता और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी समितियों को अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं सुचारु रूप से निर्वहन करने के निर्देश दिए।

समारोह के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में 30 नवंबर एवं 01 दिसंबर, 2025 को "नागालैंड दिवस समारोह" का आयोजन किया जाएगा। समारोह के दौरान नागालैंड की सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक एवं अन्य विविध विशेषताओं पर छात्र–छात्राओं के मध्य भाषण प्रतियोगिता, नागालैंड की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं भौगोलिक विशेषताओं पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित पोस्टर, मॉडल एवं चार्ट प्रस्तुत किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त नागालैंड से संबंधित सामान्य ज्ञान पर क्विज प्रतियोगिता, फोटो प्रदर्शनी, नागालैंड की विशेषताओं पर आधारित रंगोली तथा नागालैंड की सांस्कृतिक, सामाजिक एवं ऐतिहासिक विरासत पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को नागालैंड की समृद्ध संस्कृति, इतिहास, भौगोलिक विशेषताओं एवं सामाजिक जीवन से परिचित कराने के साथ ही देश की विविधता में एकता की भावना को मजबूत करना है।

बैठक में प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. अनुराग मिश्रा, डॉ. राजन तिवारी, डॉ. सोनम झा, प्रगति सिंह, जीशान अली, श्याम त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

रंगोली प्रतियोगिता

(30 नवम्बर 2025)

रंगों में साकार हुई नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान में नागालैंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंगों और आकृतियों के माध्यम से नागालैंड की समृद्ध संस्कृति को जीवंत रूप प्रदान किया।

विद्यार्थियों ने रंगोली में नागालैंड की पारंपरिक जनजातीय संस्कृति, लोक जीवन, वेशभूषा, लोक कला, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक परंपराओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। कहीं पारंपरिक नृत्य और संगीत की झलक दिखाई दी तो कहीं नागालैंड के पहाड़ी प्राकृतिक परिवेश और जनजातीय जीवन को रंगों के माध्यम से उकेरा गया। विभिन्न रंगों के सुंदर संयोजन और बारीक कलात्मक आकृतियों ने रंगोलियों को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने केवल अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन ही नहीं किया, बल्कि नागालैंड की संस्कृति और परंपराओं को समझने तथा उन्हें कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने का प्रयास भी किया। रंग–बिरंगी रंगोलियां संस्थान परिसर में आकर्षण का केंद्र बनी रहीं और विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने इनकी सराहना की।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना तथा विभिन्न राज्यों की परंपराओं के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना रहा। रंगोली प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. अन्नू त्यागी ने किया।

विश्वविद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने नागालैण्ड की संस्कृति पर 08 रंगोली निर्मित की।

नागालैंड दिवस समारोह–2025

(01 दिसम्बर, 2025)



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नागालैंड स्थापना दिवस का भव्य आयोजन आर्यभट्ट सभागार में हुआ, जहाँ विद्यार्थियों ने नागालैंड की संस्कृति पर आधारित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन देश की सांस्कृतिक विविधता को समझने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नागालैंड स्थापना दिवस हमें विविधताओं से भरे भारत की महान एकता और सहअस्तित्व की भावना की याद दिलाता है। कुलसचिव केशलाल ने कहा कि हमारे हाथों में जो अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है, उसे पहचानने और संरक्षित करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य पूरे भारत से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़े रहने की भावना को सुदृढ़ करना है। अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी कार्यक्रम संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार ने निभाई। ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बायोटेक्नोलॉजी विभाग की 11 छात्राओं ने नागालैंड के लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसमें कुकी सहित अन्य जनजातीय नृत्यों का आकर्षक प्रदर्शन भी शामिल था। समारोह के सांस्कृतिक सत्र में विद्यार्थियों ने नागालैंड की लोक संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित नृत्य प्रस्तुति प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक बनाया। इसका समन्वयन डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने किया।

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसका विषय "नागालैंड प्रदेश की सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक एवं विविध विशेषताएँ" रहा। प्रतियोगिता का समन्वयन डॉ. शशिकांत यादव ने किया। परिणामों में प्रथम स्थान पर अभिनव कीर्ति पांडेय, द्वितीय पर प्रिया तिवारी तथा तृतीय स्थान पर मनीष जायसवाल रहे।

नागालैंड प्रदेश की सामाजिक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक विशेषताओं पर आधारित भाषण प्रतियोगिताओं में 47 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वहीं क्विज प्रतियोगिताओं में 23 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।



नागालैंड–केन्द्रित सामान्य ज्ञान क्विज़ में प्रथम स्थान माधवी पांडे, गोल्डी यादव और प्रिया तिवारी, द्वितीय स्थान मूलचंद तथा तृतीय स्थान शिवांशु सिंह को मिला। इसका समन्वयन प्रो. विनोद कुमार ने किया। इसके साथ ही प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा तैयार पोस्टर के माध्यम से नागालैंड की सांस्कृतिक एवं भौगोलिक विशेषताओं को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही नागालैंड कि संस्कृति से सम्बंधित पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली और पोस्टर प्रदर्शनी ने नागालैंड की बहुरंगी संस्कृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। नागालैंड पर छात्रा साक्षी पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत कविता को भी सराहना मिली। इसका समन्वयन डॉ. अन्नू त्यागी ने किया. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित वृत्तचित्र "नागालैंड : संस्कृति से विकास तक" का विशेष प्रदर्शन किया गया। इसमें नागालैंड की सांस्कृतिक धरोहर, जनजातीय जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, 1963 से अब तक के विकास तथा विश्वविद्यालय एवं नागालैंड के शैक्षणिक संबंधों को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया गया। इस वृत्तचित्र का निर्माण जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर संपादन संस्कार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। नागालैंड जनजातीय सेल्फी पॉइंट विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

नागालैंड दिवस समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस आयोजन ने विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय एकात्मता एवं सांस्कृतिक समरसता के संदेश को प्रभावी रूप से प्रसारित किया तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



नागालैंड पर निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन



समारोह को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. वन्दना सिंह



नागालैंड दिवस पर
आयोजित कार्यक्रम में
पारंपरिक परिधान में
विश्वविद्यालय की छात्रा



सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं





पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं कुलपति प्रो. वन्दना सिंह



समारोह में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार



प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी



भाषण प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती छात्रा



समापन समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

स्वदेश

हिन्दुस्तान

नागालैंड का स्थापना दिवस मना

पूर्वांचल विवि



सांस्कृतिक विविधता राष्ट्रीय एकता की आधारशिला : कुलपति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नागालैंड स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक विविधता ने मोहा मन



दैनिक अमृत प्रभात

रंगों में झलकी नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एक दिसंबर को नागालैंड स्थापना दिवस का होगा आयोजन



सागरपल्लवाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजभवन के दिशा-निर्देश के तहत एक दिसंबर को नागालैंड स्थापना दिवस मनाया जाएगा। नागालैंड दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से नागालैंड की समृद्ध संस्कृति को दर्शाया। एक दिसंबर को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में नागालैंड दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने समिति के संयोजकों के साथ तैयारियों की समीक्षा भी की। सोमवार को विश्वविद्यालय में नागालैंड दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही नागालैंड की रंगोली, प्रदर्शनी, फूडस्टॉल एवं पोस्टर प्रस्तुति तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिताओं के बाद अपराह्न दो बजे आर्यभट्ट सभागार में मुख्य कार्यक्रम होगा। नागालैंड पर एक वृत्तचित्र भी दिखाया जायेगा। संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में नागालैंड स्थापना दिवस को लेकर सभी में बहुत उत्साह है। यहाँ नागालैंड की संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने का पूरा प्रयास किया गया है।

सांस्कृतिक विविधता राष्ट्रीय एकता की आधारशिला- कुलपति



समाचार धारा

सांस्कृतिक विविधता राष्ट्रीय एकता की आधारशिला: कुलपति



दैनिक जागरण

NORTHERN INDIA PATRIKA

सांस्कृतिक विविधता राष्ट्रीय एकता की आधारशिला

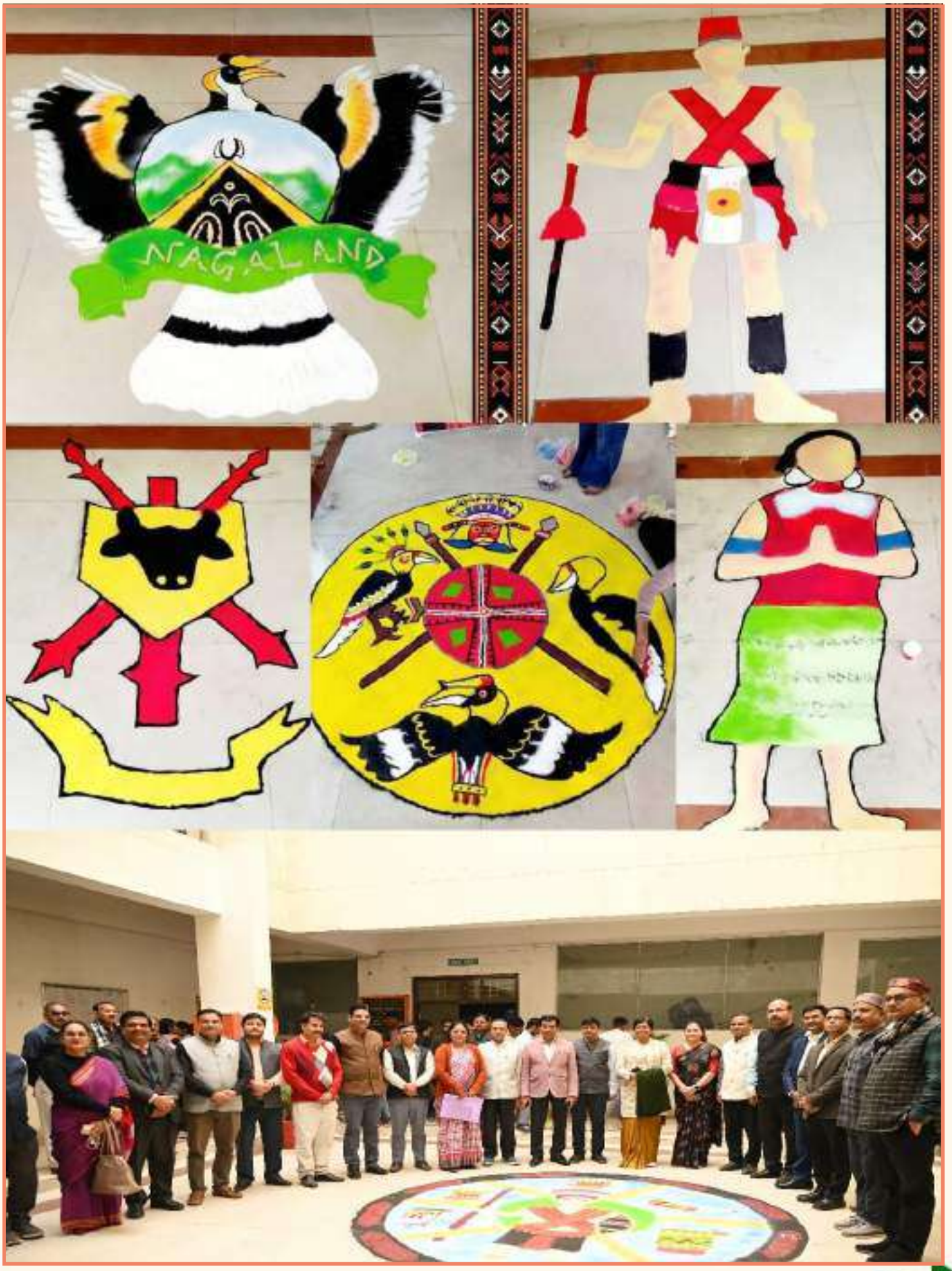


Cultural Diversity Is the Foundation of National Unity: Vice-Chancellor



राष्ट्रीय सहारा

दैनिक देवव्रत


NAGALAND

कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
"भारत का शीराज रहा है,
यह यमदग्नि-यजन की बेदी यह "कुतबन" का मादल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
दो धर्मों की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना "जौनपुरी" यह,
संघर्षों की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिये भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पंतजलि हो आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।

